RNI NO. : MAHHIN/2019/77511 | मुंबई : गुरुवार 11 अगस्त 2022 | वर्ष 04 | अंक 101 | संपादक : फैसल शेख | पृष्ठ : 4 | कीमत : 03 रुपये

दैनिक

रोकठोक लेखनी

खबरें बे-रोकटोक

Read E Newspaper at Paper Boy App, Magzter App, Jio News App, Paytm App, Dailyhunt App

बारिश से प्रभावित किसानों को दोगुना मुआवजा देगी सरकार...!

रत्नागिरी में स्थापित करेगी मेडिकल कॉलेज

महाराष्ट्र : महाराष्ट्र सरकार ने बुधवार को जुलाई में हुई अत्यधिक बारिश से प्रभावित किसानों को मिलने वाली मुआवजे की राशि को दोगुना करने का फैसला किया। मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे ने अपने विस्तारित मंत्रिमंडल की पहली बैठक के बाद यहां घोषणा की। मुख्मयंत्री शिंदे ने कहा, वर्तमान में राष्ट्रीय आपदा प्रतिक्रिया कोष के मानदंडों के अनुसार एक किसान को मुआवजे के रूप में प्रति हेक्टेयर 6,800 रुपये मिलते हैं। हमने राशि को दोगुना करने का फैसला किया है। इसके अलावा पहले राष्ट्रीय आपदा प्रतिक्रिया कोष मानदंड दो हेक्टेयर पर फसलों को हुए नुकसान के लिए लागू होते थे। हमने इसे तीन हेक्टेयर में बदलने का फैसला किया है। मुख्यमंत्री

ने कहा कि इस मानसून महाराष्ट्र में भारी बारिश के कारण 15 लाख हेक्टेयर कृषि भूमि प्रभावित हुई है। मंत्रिपरिषद ने रत्नागिरी में सौ छात्रों की प्रवेश क्षमता के साथ एक सरकारी मेडिकल कॉलेज स्थापित करने के प्रस्ताव को भी मंजूरी दी है। मेडिकल कॉलेज के साथ 430 बेड का अस्पताल बनाया जाएगा। इस परियोजना पर पांच सौ करोड़ रुपये की शुरूआती लागत आएगी। विधानसभा में विपक्ष के नेता अजीत पवार ने कहा कि सरकार की घोषणा बारिश प्रभावित क्षेत्रों को राहत देने के लिए प्रर्याप्त नहीं है। राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी के नेता ने कहा, मुआवजे की राशि को दोगुना करना अपर्याप्त है क्योंकि राष्ट्रीय आपदा प्रतिक्रिया कोष मानदंड सभी प्रभावित लोगों को कवर नहीं करते हैं। वे केवल उन किसानों को कवर करते हैं जिन्होंने अपनी फसल खो दी है। यह निर्णय आंखे में धूल झोंकने वाला है।

उन्होंने मांग की कि भारी वर्षा के कारण नुकसान झेलने वाले छोटे व्यवसायियों, मकान मालिकों और दुकान मालिकों को भी कुछ वित्तीय सहायता मिलनी चाहिए। महा विकास अघाड़ी सरकार ने प्रति परिवार 15,000 रुपये और बारिश के कारण अपना घर गंवाने वालों के लिए डेढ़ लाख रुपये दिए थे। विधान परिषद में विपक्ष के नेता अंबादास दानवे ने बुधवार को कहा कि बारिश से प्रभावित किसानों को मदद नहीं मिल रही है लेकिन महाराष्ट्र सरकार बुलेट ट्रेन परियोजना के लिए धन देने जा रही है। औरंगाबाद से शिवसेना नेता दानवे ने कहा, एकनाथ शिंदे-देवेंद्र फडणवीस सरकार को मंत्रिमंडल का विस्तार करने में लगभग चालीस दिन लगे।

बिहार से नहीं सीख पाई बीजेपी!

एकनाथ शिंदे को महाराष्ट्र का नया नीतीश कुमार बनाने का विचार है?

नई दिल्ली: महाराष्ट्र के बाद बिहार की राजनीति में बड़ा खेला हो गया। मगर दोनों राज्यों में फर्क था। पहला तो ये कि महाराष्ट्र में बीजेपी को सत्ता मिल गई और दूसरा ये कि महाराष्ट्र में कई दिन शोर शराबे के बाद सत्ता बदली जबकि बिहार में चुपचाप ही बिसात बिछा दी गई। 2014 लोकसभा चुनाव के बाद बीजेपी की ताकत बढ़ती गई। कई राज्यों में सरकार बनी। राजनीति के जानकार और पीएमओ को करीब से देखने वाले कहते हैं कि बीजेपी भी कुछ-कुछ इंदिरा गांधी जैसे सरकार चलाती है, जहां पर फैसले कुछ ही लोग करते हैं। बिहार में राजनीतिक उठापटक के बाद अब सवाल ये है कि क्या बिहार की तरह महाराष्ट्र में भी बीजेपी अपनी कमजोरी की कीमत पर एकनाथ शिंदे गुट की शिवसेना को मजबूत करती जा रही है। महाराष्ट्र में पहले एकनाथ शिंदे को सीएम बनाना और फडणवीस जैसे नेता को उपमुख्यमंत्री बनाना और अब दो महाराष्ट्र सरकार

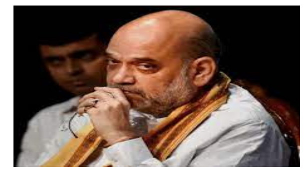

में दो दागी विधायकों को मंत्री पद देना किस रणनीति का हिस्सा हो सकता है समझ से परे हैं मगर सवाल उठने लगे हैं। कार्यकर्ता आशंकित हैं। उर्दू के मशहूर शायर राहत इंदौरी साहब का एक शेर है। नए किरदार आते जा रहे हैं, मगर नाटक पुराना चल रहा है। बिहार में गुपचुप तरीके से जिस तरह से नीतीश कुमार ने पलटी मारी है वो कहीं न कहीं बीजेपी की भूमिका पर भी सवाल खड़े कर रही है। बीजेपी ने 2020 के विधानसभा चुनाव में जेडीयू के साथ मिलकर चुनाव लड़ा था। उसे 74 सीटों पर जीत मिली थी जबकि जेडीयू को महज 43 सीटें मिलीं। लेकिन चुनाव से पहले ही बीजेपी ने ये कह दिया था सीएम नीतीश कुमार ही बनेंगे। बीजेपी अपने स्टैंड पर कायम रही और नीतीश कुमार को मुख्यमंत्री बना दिया गया।

मुंबई के माहिम इलाके में ताजिया जुलूस 50 फीसदी से कम देखा गया ,

मुसलमानों ने रोजा रखा और गरीबों में लंगर वितरित किए

मुंबई : मुंबई के माहिम में इलाके ताजिया जुलूस 50 फीसदी से कम देखा गया ।ताजिया ज्यादातर धारावी से आतेह है लेकिन इस 50 फीसदी से ज्यादा कमी दिखी एक पुलिस अधिकारी ने बताया । ज्यादातर लोग शरबत खीचड़ा अपने इलाको में मुसावीर , गरीब, रिश्तेदारों में तस्किम किया गया । इस साल ज्यादातर लोग दिन में रोजा रखे शामको वितरण का आयोजन किया गया ।सुहैल खंडवानी माहिम & हाजी अली दरगाह के ट्रस्टी ने बताया कि मुहर्रम कर्बला की लड़ाई में पैगंबर मोहम्मद के पोते हुसैन की शहादत की याद में मनाया जाता है। ताजिया और जुलूस कम हो गए हैं। पहले लंबे जुलूस होते थे लोगो लेकिन अहसास हुआ कि लोगों की सेवा करने और रोजा रखने पर ध्यान केंद्रित किया जाना चाहिए। हमारे समुदाय के लोगों ने महसूस किया कि हम अपने इमाम हुसैन को रोजा और लोगों की सेवा करके याद कर सकते हैं। उन्हें दस दिन तक भूखा-प्यासा रखा गया। इसलिए थके हुए यात्रियों को शर्बत परोसने की इस परंपरा को एक स्मरण के रूप में मनाया जाता है। उन्होंने कहा कि समुदाय का यह भी मानना है कि उनके पैगंबर के पोते ने सच बोलने के लिए शहादत दी थी। ह्लहम नहीं चाहते कि चिलचिलाती

धूप में घूमने वाले यात्रियों को समान कठिनाइयों का सामना करना पड़े। इमाम हुसैन अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता और अधिकारों के लिए खड़े थे। राजनीतिक फासीवाद के बजाय लोकतंत्र की जीत होनी चाहिए इसी वजह से वह शहीद हो गए। इसलिए हम परंपराओं के बहकावे में नहीं आने का प्रयास करते हैं और ताजिया जुलूसों में भाग लेने में समय नहीं लगाते हैं । शर्बत परोसने की इस परंपरा को बरकरार रखा है 1400 साल पहले इमाम हुसैन को यजीदों ने शहीद कर दिया था जो मुसलमान थे लेकिन उन्होंने पैगंबर मोहम्मद के नियमों का पालन नहीं किया। यजीद ने लोगों को प्रताड़ित किया और वह इस्लाम के खिलाफ था। इमाम हुसैन को अपने पीछे चलने के लिए कहने के बाद, यजीद ने उन्हें और उनके 72 सदस्यों के परिवार को कर्बला में कैद कर लिया । उन्हें 10 दिनों तक एक तंबू में प्रताड़ित किया गया और भोजन और पानी से वंचित रखा गया। उनकी याद में मुसलमान लोगों को शरबत , खाना खिलाते हैं। चूंकि उन्हें पानी से वंचित कर दिया गया था, इसलिए मुसलमान शरबत खिचड़ा, पुलाव भी पकाते हैं और गरीबों में बांटते हैं। यह दिन इस बात का प्रतीक है बलिदान का महीना है और सत्य की जीत होगी चाहे कोई कितना भी पीड़ित क्यों न हो। सही रास्ते पर धैर्यवान और दृढ़ रहना चाहिए, अपने सिद्धांतों का पालन करना चाहिए और दोस्तों, परिवार और समाज की परवाह करनी चाहिए सुहैल खंडवानी ने कहा ।

संपादकीय / लेख

फैसल शेख
(प्रधान संपादक)

एक और टूट...!

महाराष्ट्र में भाजपा के नेता मंत्री पद की शपथ ले रहे थे और बिहार में भाजपा नेताओं की मंत्रिमंडल से विदाई की राह तैयार हो रही थी। मतलब, महाराष्ट्र अगर भाजपा की झोली में आया है, जो बिहार चला गया। पिछले महीनों से जो तल्खी बढ़ रही थी, उसे दूर करने के प्रयास उतने नहीं हो पाए, जितने होने चाहिए थे। पिछले लोकसभा चुनाव में केंद्रीय स्तर पर भाजपा की बड़ी जीत के बाद जनता दल यूनाइटेड का मंत्रिमंडल में शामिल होने के लिए खुशी-खुशी आगे न आना समस्याओं को बढ़ाता चला गया। नतीजा सामने है, राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन टूट गया। गठबंधन में भाजपा की सबसे बड़ी सहयोगी पार्टी जद-यू का जाना एक बड़ी क्षति है। विगत दो दशक से भी ज्यादा समय में ज्यादातर समय नीतीश कुमार राजग का एक सशक्त व स्वीकार्य चेहरा रहे हैं। अगर वह 2013 में अलग हुए, तो 2017 में लौट भी आए थे। आंकड़े गवाह हैं, उनके साथ रहने से भाजपा को बल ही मिला। हालांकि, उतना ही बड़ा सच यह भी है कि इतने लंबे समय तक अगर नीतीश मुख्यमंत्री रहे हैं, तो उसमें भाजपा का सर्वाधिक योगदान है। अकेले वह कभी सत्ता तक नहीं पहुंचते, पर उनके लिए दोनों तरफ सियासी लाभ है। राजग में रहने के अपने फायदे हैं, तो महागठबंधन में रहना उनकी समावेशी राजनीति के मुफीद है।

बहरहाल, बिहार में हुए बदलाव से राष्ट्रीय राजनीति का समीकरण भी बदल गया है। लोकसभा में 16 और राज्यसभा में चार सदस्यों के साथ जद-यू पूरी मजबूती के साथ राजग सरकार के साथ खड़ा हो जाता था। यह भाजपा का सबसे बड़ा सहयोगी था। बदले समीकरण में अब महाराष्ट्र में नया गठित हुआ शिवसेना समूह ही भाजपा का सबसे बड़ा सहयोगी रह गया है। इस समूह के पास कुल 12 सांसद हैं। लोक जनशक्ति पार्टी के करीब छह सांसद राजग के साथ हैं। अपना दल (सोनेलाल) के दो सांसद हैं और उसके बाद राजग में छह-सात दल ही हैं, जिनके एक-एक सांसद हैं। बाकी कई दल हैं, लेकिन बिना संख्या वे मायने नहीं रखते। जद-यू मायने रखता था, तो भाजपा को उसे साथ रखने की ज्यादा कोशिश करनी चाहिए थी। अब होगा यह कि भाजपा को बिहार में एक बड़े सहयोगी की कमी खलेगी। लोकसभा चुनाव में नरेंद्र मोदी के नाम से वोट मिल भी जाएंगे, लेकिन राज्य स्तर पर भाजपा को सशक्त स्थानीय नेतृत्व के अभाव से जूझना पड़ेगा।

दूसरी ओर, जद-यू बिहार की सत्ता में बना रहेगा और उसके साथ राजद, कांग्रेस और वाम दल भी मिलकर काम करेंगे। राजद, कांग्रेस और वाम दल पहले भी मिलकर सरकार चला चुके हैं, लेकिन विशेष रूप से राजद को ध्यान रखना होगा कि बिहार की जनता के बीच उसे एक नया विश्वास अर्जित करना है। बिहार में बहुत काम शेष हैं और तेजस्वी यादव बखूबी कमियां गिनाते रहे हैं, अब उन्हें मौका मिल रहा है, तो लोगों की शिकायतों को दूर करें। लंबे समय से बिहार के साथ यह समस्या रही है, बिहार की स्थिति को उसके विपक्षी नेता सबसे बेहतर जानते हैं। आम लोग तो यही चाहेंगे कि बिहार के विकास के लिए विपक्ष और सत्ता पक्ष, दोनों ही ज्यादा ईमानदारी से काम करें। कोई शक नहीं, आने वाले कम से कम तीन-साढ़े तीन साल बिहार में जमकर राजनीति होगी, लेकिन प्रदेश का विकास भी पहले से तेज होना चाहिए।

editor@rokthoklekhaninews.com
Faisal Shaikh @faisalshaikh_91

पति ने किया चाकू से पत्नी को जख्मी, अंबोली पुलिस ने किया गिरफ्तार

मुंबई : पश्चिम बंगाल में शादी करके साजन और सजनी रोजी-रोटी की तलाश में मायानगरी मुंबई आए थे। मुंबई की चकाचौंध में सजनी रम गई, लेकिन साजन कामकाज को लेकर परेशान रहने लगा। चूंकि उसे काम नहीं मिल रहा था इसलिए उसने ससुराल जाने का फैसला किया, मगर उसकी सजनी ने जाने से इनकार कर दिया। गांव जाने को लेकर दोनों में बहस हो गई और गुस्से में आरोपी पति ने चाकू से वार कर उसकी हत्या करने का प्रयास किया। इस घटना में पत्नी जख्मी हो गई और उसे कूपर अस्पताल में उपचार के लिए भर्ती कराया गया। पुलिस के मुताबिक सजनी के गले पर करीब २५ टांके आए हैं। फिलहाल

उसकी हालत चिंताजनक बताई जाती है। अंबोली पुलिस ने आरोपी पति को सोमवार को गिरफ्तार कर लिया है। डीसीपी मंजूनाथ शिंगे ने बताया कि आरोपी पति-पत्नी जोगेश्वरी- पश्चिम के निवासी हैं। पीड़ित महिला आरोपी की दूसरी पत्नी है। इस जोड़े ने इसी वर्ष विवाह किया है। हालांकि विवाह के कुछ समय पश्चात दोनों में विवाद शुरू हो गया। इस दौरान पत्नी २८ जुलाई को घर छोड़कर बेहराम बाग में रहनेवाले रिश्तेदारों के यहां रहने आ गई। पति को कामकाज नहीं मिलने के कारण वह मुंबई में नौकरी करना चाहती थी। पुलिस ने बताया है कि सोमवार को आरोपी जबरन पत्नी को साथ लेकर ससुराल लौटना चाहता था, मगर पत्नी ने जाने से साफ मना कर दिया।

अंबोली पुलिस स्टेशन के वरिष्ठ पुलिस निरीक्षक बंडोपंत दादासो बनसोडे ने बताया कि पति-पत्नी में विवाद इतना ज्यादा बढ़ गया कि आरोपी ने उसकी हत्या करने का प्लान बनाया। इसके बाद रविवार को बाजार से उसने चाकू खरीदा। जब पत्नी ने गांव जाने से इनकार किया, तब आरोपी ने गुस्से में जेब से चाकू निकाला और उसका गला काटकर फरार हो गया। महिला को कूपर अस्पताल ले जाया गया, जहां उसकी सर्जरी की गई। कटे हुए घाव के इलाज के लिए टांके लगाए गए। पुलिस ने महिला के बयान के आधार पर आरोपी पति को गिरफ्तार कर लिया है।

बुलेट ट्रेन को पूरा करने के लिए 6 हजार करोड़ रुपए की फिजूलखर्ची - नाना पटोले

मुंबई : राज्य की 'ईडी' सरकार ने ४० दिनों बाद कैबिनेट का विस्तार किया है, लेकिन सवाल यह है कि क्या यह सरकार महाराष्ट्र के हित के लिए है या फिर गुजरात के लिए। इस सरकार के पास विदर्भ, मराठवाड़ा के नुकसान से प्रभावित किसानों को भुगतान करने के लिए पैसे नहीं हैं, लेकिन गुजरात और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के ड्रीम प्रोजेक्ट बुलेट ट्रेन को पूरा करने के लिए ६ हजार करोड़ रुपए की फिजूलखर्ची के लिए पैसे हैं। ऐसा तीखा सवाल प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष नाना पटोले ने राज्य की शिंदे-फडणवीस सरकार से पूछा है।

पटोले ने कहा कि इन फैसलों से साफ है कि ये 'ईडी' सरकार राज्य के हित में नहीं है। इस संबंध में आगे बोलते हुए नाना पटोले ने कहा कि राज्य में भारी बारिश से विदर्भ और मराठवाड़ा के किसानों को काफी नुकसान हुआ है। हमने इन प्रभावित किसानों के लिए पर्याप्त

वित्तीय सहायता की मांग की है, लेकिन राज्य सरकार, केंद्र की नरेंद्र मोदी सरकार की महत्वाकांक्षी बुलेट ट्रेन परियोजना को हमारे अपने राज्य के किसानों से ज्यादा महत्वपूर्ण मानती है। नाना पटोले ने कहा कि इस सरकार का भविष्य अभी भी सुप्रीम कोर्ट में चल रही सुनवाई पर लटका हुआ है लेकिन उनके पास अदालत के फैसले का इंतजार करने का समय नहीं है। यह सरकार पूरी तरह से असंवैधानिक है। हालांकि जैसे-जैसे विधायकों में नाराजगी बढ़ रही है, उसे देखते हुए ऐसा लगता है कि मजबूरी में दिल्ली हाईकमान को सात राउंड की मीटिंग के बाद आखिरकार कैबिनेट विस्तार को झंडी देनी पड़ी है ताकि यह सरकार किसी तरह बची रहे।

गूगल मैप पर रास्ता पूछना खतरों से खाली नहीं, नहर में घुस गई कार

मुंबई : गूगल मैप ऐक ऐसा प्लेटफॉर्म है जिसका उपयोग एक स्थान से दूसरे स्थान पर गाड़ी से जाने के दौरान ज्यादातर वाहन चालक करते हैं। खासकर उन रूट्स पर जहां पहली बार यात्रा कर रहे हों और रास्ते का पता न हो। गूगल आमतौर पर लोगों को आसान और जाम मुक्त रास्ता बताते हुए गंतव्य तक पहुंचा देता है, किंतु कई बार गूगल मैप पर रास्ता पूछना खतरों से खाली नहीं होता। ऐसे कई मामले सामने आए हैं, जिनमें गूगल मैप ने गलत रास्ता बताकर मुसीबत में डाल दिया हो। एक ऐसा ही मामला केरल के कडुथुरुथी से सामने आया है। यहां एक परिवार की कार को गूगल मैप ने रास्ता भटकाते हुए बड़े नहर में पहुंचा दिया। हालांकि आसपास के लोगों ने वक्त रहते पूरे परिवार को कार से बाहर निकाला और बड़ा हादसा होते-होते बच गया।

खबर के अनुसार कर्नाटक का एक परिवार मुन्नार से एसयूवी कार से अलाप्पुझा घूमने जा रहा था। सुबह ये लोग कार से रवाना हुए थे। मुन्नार से निकलते समय इन लोगों ने गूगल मैप

पर नेविगेशन लगा लिया था। इसके बाद कार चला रहा व्यक्ति गूगल के बताए रास्ते को फॉलो करने लगा। कडुथुरुथी में कुरुप्पंथरा कदवु के निकट अचानक कार एक बड़े नहर में जा घुसी। पीड़ित परिवार ने बताया कि हम उसी मार्ग पर चल रहे थे, जो गूगल बता रहा था। गूगल ने सीधे जाने के लिए कहा, मगर वहां बड़ी नहर थी, जबकि नहर से पहले एक टर्न था। उन्होंने वहां टर्न इसलिए नहीं लिया, क्योंकि गूगल ने सीधे जाने के कह रहा था। सीधे जाने के बाद कार गहरी नहर में जा घुसी। कार के नहर में जाते ही परिवार में चीख-पुकार मच गई। आसपास के लोग आवाज सुनकर मौके पर पहुंचे और एक-एक कर लोगों को नहर से बाहर निकाला। उन्होंने कार को भी खींचने का प्रयास किया, मगर वह सफल नहीं हुए।

रेलवे ने दिया जीएसटी का झटका...!

मुंबई : सड़क से लेकर संसद तक आए दिन बढ़ती महंगाई से जनता त्रस्त है लेकिन केंद्र के कान पर जूं तक नहीं रेंग रही है। यात्रियों को रेलवे ने एक बार फिर जीएसटी का झटका दिया है। इसके तहत टिकट कैंसिल करवानेवाले लोगों को रेलवे की ह्यजेबकतरीह्न जीएसटी से रू-बरू होना पड़ेगा, जो महंगाई के इस दौर में एक और झटका देने के लिए काफी है।

दरअसल टिकट निकालने पर पहले जीएसटी लगती थी लेकिन अब टिकट कैंसिलेशन पर भी यात्रियों को सर्विस टैक्स के रूप में जीएसटी देना होगा। ये जीएसटी कैंसिलेशन चार्ज के ऊपर ५ फीसदी होगी। टैक्स रिसर्च यूनिट ने तीन सर्कुलर जारी किए हैं। इनमें से एक में कॉन्ट्रैक्ट के उल्लंघन पर शुल्क लगाए जाने की व्याख्या की गई है। इसमें कहा गया है कि होटल, एंटरटेनमेंट और ट्रेन टिकटों की बुकिंग एक कॉन्ट्रैक्ट की तरह है, जिसमें सर्विस प्रोवाइडर एक सर्विस देने का वादा करता है। जब ग्राहक इस कॉन्ट्रैक्ट का उल्लंघन करता है या बुकिंग कैंसिल करता है तो सर्विस प्रोवाइडर कैंसिलेशन चार्ज के रूप में एक निश्चित राशि प्राप्त करता है। चूंकि कैंसिलेशन चार्ज कॉन्ट्रैक्ट के उल्लंघन के बदले में किया गया भुगतान है इसलिए इस पर जीएसटी लगेगा। टैक्स रिसर्च यूनिट द्वारा जारी सर्कुलर में बताया गया है कि फर्स्ट क्लास या एसी कोच टिकट के लिए कैंसिलेशन चार्ज पर ५ फीसदी जीएसटी देना होगा। यह टिकट पर लगाया जानेवाला रेट है।

मुंबई के रहने वाले नन्हें बच्चों का कमाल, किताब लिखकर इंडिया बुक ऑफ रिकॉर्ड्स में दर्ज कराया नाम

मुंबई : छोटे बच्चों को आजकल कंप्यूटर या फोन में व्यस्त देखा जा सकता है, लेकिन कुछ बच्चे इससे हटकर भी कुछ करने में दिलचस्पी रखते हैं. कुछ बच्चों को किताब लिखने का शौक होता है. मुंबई के मलाड में रहने वाले 6 बच्चों ने अपने किताब लिखने के शौक के कारण कमाल कर दिया है. इन बच्चों ने इंडिया बुक ऑफ रिकॉर्ड्स 2023 में जगह बनाई है. ये किताब kkLetls Not Grow Upll के नाम से लिखी गई है. लेट्स नॉट ग्रो अप नाम की ये किताब आरुष जैन (12), हितांश शाह (12), खनक साबू (10), रेवंत नंगलिया (12), रौनक बिहानी (12), युगेन मेहता (12) ने 2022 के फरवरी महीने से मई महीने तक लिखी.

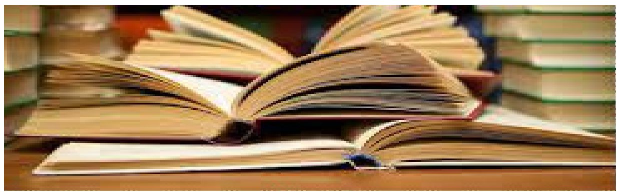

नन्हें बच्चों ने किताब लिखकर किया कमाल

ये किताब 354 पन्नों की है. इस किताब में नन्हे बच्चों ने बचपन और स्कूल की कहानियां लिखी हैं. पूरी किताब में 42 कहानियां हैं, जो बचपन में की गई शरारतें और मस्ती पर आधारित है. इन नन्हें बच्चों की प्रेरणा वह खुद बने. जहां बच्चों ने किताब का नाम भी लेट्स नॉट ग्रो अप लिखा है, जिसका मतलब होता है, ''चलो, बड़े नहीं होते हैं.''

बच्चों के अद्भुत काम से अभिभावक खुश

बच्चों के इस अद्भुत काम को देखकर उनके अभिभावक भी काफी खुश हुए और इसलिए उन्होंने इस किताब को पब्लिश करने का कार्य किया. 31 जुलाई 2022 को इस किताब को लॉन्च किया गया. खनक साबू के पिता विपिन साबू ने बताया कि जब इन बच्चों ने कहानियां लिखना शुरू की, तब बच्चों की परीक्षा चल रही थी, लेकिन अभिभावकों ने उनके इस काम को समर्थन देते हुए बच्चों को किताब पूर्ण करने के लिए प्रेरित किया.

बच्चों की काल्पनिक कहानियां ऑनलाइन भी उपलब्ध

अभिभावक विपिन साबू ने बताया कि जब हम सब बड़े हो जाते हैं और काम में व्यस्त हो जाते हैं, तब अपने पसंद का कार्य नहीं कर पाते हैं क्योंकि समय की कमी होती है. इन बच्चों ने एकजुट होकर अपने पसंद का कार्य किया है, इससे यही सीखने को मिलता है कि अपने शौक को कभी भुलाना नहीं चाहिए और उसके लिए समय निकालना जरूरी है. 9 से 11 साल के बच्चों की काल्पनिक कहानियों के लिए यह किताब जरूर पढ़े. 'लेट्स नॉट ग्रो अप' नाम की किताब ऑनलाइन भी उपलब्ध है और खरीदी भी जा सकती है.

लाल सिंह चड्ढा की रिलीज से पहले आमिर खान ने बायकॉट ट्रेंड पर तोड़ी चुप्पी, अगर मैंने किसी का दिल...

बॉलीवुड एक्टर आमिर खान इन दिनों अपनी फिल्म लाल सिंह चड्ढा को लेकर सुर्खियों का हिस्सा बने हुए हैं. वह खूब जोर-शोर से फिल्म का प्रमोशन कर रहे हैं. ये फिल्म 11 अगस्त को सिनेमाघरों में रिलीज होने जा रही है. फिल्म रिलीज से पहले ही मुसीबतों का हिस्सा बन गई है. सोशल मीडिया पर लाल सिंह चड्ढा को बायकॉट करने की मांग की जा रही है. बीते कई दिनों से सोशल मीडिया पर बायकॉट लाल सिंह चड्ढा ट्रेंड कर रहा है. आमिर खान ने बायकॉट ट्रेंड पर चुप्पी तोड़ी है.

आमिर खान ने नई दिल्ली में मीडिया से बातचीत की. आमिर ने बायकॉट ट्रेंड को लेकर रिएक्ट किया. आमिर सोशल मीडिया पर ट्रोलिंग का शिकार हो रहे हैं. उन्होंने कहा है कि मैं किसी का दिल नहीं

दुखाना चाहता हूं. मीडिया से बातचीत में आमिर ने कहा- अगर मैंने किसी का दिल दुखाया है किसी चीज से तो मुझे उस बात का दुख है. मैं किसी का दिल नहीं दुखाना चाहता हूं. जिन जिनको फिल्म नहीं देखनी है मैं उस बात की इज्जत करुंगा और क्या कह सकता हूं. आमिर ने आगे कहा- लेकिन मैं चाहूंगा कि ज्यादा से ज्यादा लोग फिल्म देखें, हमने बड़ी मेहनत से फिल्म बनाई है. सिर्फ मैं नहीं हूं फिल्म में, फिल्म जो बनती है वो सैकड़ों लोगों की मेहनत से बनती है, मैं उम्मीद करता हूं लोगों को ये पसंद आएगी.

नहीं थम रहा रणवीर सिंह के फोटोशूट पर बवाल, अब कोलकाता हाईकोर्ट में दायर हुई PIL

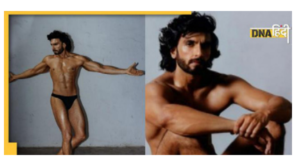

हिंदी सिनेमा के मशहूर कलाकार रणवीर सिंह ने बीते महीने एक ऐसा फोटोशूट कराया था, जिसके बाद हर तरफ सनसनी मच गई. बिना कपड़ों वाले रणवीर सिंह के इस विवादित फोटोशूट ने एक नए विवाद को जन्म दिया. इसके बाद से आए दिन रणवीर सिंह के इस फोटोशूट को लेकर कोई न कोई अपडेट सामने आती रहती है. अब खबर आ रही है कि रणवीर सिंह के विवादित फोटोशूट को लेकर कोलकाता के हाईकोर्ट में पब्लिकल इंट्रेस्ट लिटिगेशन यानी पीआईएल दायर की गई है. गौरतलब है कि रणवीर सिंह के इस फोटोशूट को लेकर विवाद थमने का नाम नहीं ले रहा है. जिसके तहत कोलकाता के हाईकोर्ट में दायर इस पीआईएल ने फिर से रणवीर सिंह की मुश्किलों को बढ़ा दिया है. टाइम्स ऑफ इंडिया में छपी खबर के मुताबिक कोलकाता की वकील नाजिया इलाही खान ने ये पीआईएल दायर की है. नाजिया के मुताबिक रणवीर सिंह के इस फोटोशूट की ये तस्वीरें एक दम से अश्लील हैं. कोलकाता के कई लोगों और नाबालिगों पर इस तरह के फोटोशूट का गलत प्रभाव पडेगा. इस फोटो को मैगजीन से तुरंत हटाया जाए, साथ ही 23 जुलाई के रणवीर का फोटोशूट करने वाली इंटरनेशनल मैगजीन को सभी कॉपियों को तुरंत सीज किया जाना चाहिए.

महाराष्ट्र कैबिनेट विस्तार:

छोटे दल और निर्दलीय को मंत्रिमंडल में नहीं मिली जगह

मुंबई : महाराष्ट्र में लंबे इंतजार के बाद कैबिनेट का विस्तार हो गया है. मंगलवार को महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री पद की शपथ लेने के 41 दिन बाद एकनाथ शिंदे ने अपने दो सदस्यीय मंत्रिमंडल का विस्तार किया. शिवसेना के बागी गुट और भारतीय जनता पार्टी के नौ-नौ सदस्यों को इसमें जगह दी गई है. लेकिन इस मंत्रिमंडल में 10 विधायकों को शामिल नहीं किया गया है जो छोटे दल या फिर निर्दलीय से आते हैं. ये सब महाराष्ट्र में सत्ता परिवर्तन के दौरान शिंदे के खेमे में शामिल हुए थे.

मंत्रिमंडल विस्तार में मंगलवार को 18 विधायक शामिल हुए, जिनमें शिंदे खेमे के नौ और भाजपा के नौ-नौ विधायक शामिल थे. उदय सामंत, संदीपन भुमरे, गुलाबराव

पाटिल, दादा भुस, शंभुराज देसाई, अब्दुल सत्तार, तानाजी सावंत, दीपक केसरकर और संजय राठौड़- ये सभी पहले मंत्री रह चुके हैं. हालांकि, निर्दलीय और छोटे दल के विधायकों को छोड़ दिया गया है, उनमें से कुछ मौजूदा मंत्री थे. जैसे कि बच्चु कडू और राजेंद्र यादवकर.

पिछली एमवीए सरकार में मंत्री रहे कडू ने अंग्रेजी अखबार इंडियन एक्सप्रेस से कहा कि छोटे दलों और निर्दलीय उम्मीदवारों का प्रतिनिधित्व होना चाहिए. सरकार उनके बिना नहीं चलेगी. हालांकि, उन्होंने ये भी कहा कि उन्हें सितंबर में होने वाले अगले कैबिनेट विस्तार में जगह देने का वादा किया गया है. उन्होंने कहा, 'मुझसे वादा किया गया था कि मुझे एक मंत्रालय मिलेगा लेकिन ऐसा हुआ नहीं. कुछ मुद्दे थे. मुझसे वादा किया गया है कि अगले विस्तार में मौका दिया जाएगा.' एमवीए सरकार में राज्य मंत्री रहने वाले यादवकर ने कहा, 'पता नहीं मुझे मंत्री क्यों नहीं बनाया गया. कुछ मुद्दे हो सकते हैं. न मुझे कोई शिकायत है और न ही मुझे कोई उम्मीद है. अगर होना ही है तो होगा. आखिरकार हमें लोगों के लिए काम करना है और यही हमारा मकसद है. मंत्रिमंडल में किसी भी महिला को शामिल नहीं किया गया है, जिसकी नेताओं और महिला अधिकार कार्यकताओं ने आलोचना की है. राज्य में भाजपा की 12 महिला विधायक हैं. शिंदे गुट में दो महिला विधायक हैं साथ ही उसे एक निर्दलीय महिला विधायक का समर्थन भी हासिल है. महाराष्ट्र में कुल 28 महिला विधायक हैं.

मुंबई में महंगी CNG से परेशान ड्राइवरों की मांग, या तो सीएनजी पर 40% छूट दी जाए या किराया बढ़ाने की मिले मंजूरी

मुंबई : हाल ही में मुंबई में सीएनजी महंगी हो गई थी जिसके बाद मुंबई ऑटो रिक्शा यूनियन किराए में बढ़ोतरी किए जाने की मांग कर रही है. गौरतलब है कि मुंबई की ऑटोरिक्शा चालक यूनियन ने ईंधन की कीमतों में भारी वृद्धि की भरपाई के लिए सीएनजी पर 40 प्रतिशत छूट या किराए में बढ़ोतरी की मांग की है.बता दें कि 2 अगस्त की आधी रात से मुंबई में सीएनजी और घरेलू पाइप प्राकृतिक गैस की कीमतों में इजाफा हुआ था. शहर में सीएनजी और पीएनजी की कीमतों में यह पांचवीं बढ़ोतरी है.

ऑटोमेन यूनियन के नेता ने मुख्यमंत्री को लिखा है पत्र

आयात लागत में वृद्धि के कारण हाल के महीनों में सीएनजी की कीमतें कई बार बढ़ाई गई हैं. ऐसे में मुंबई ऑटोमेन यूनियन के नेता शशांक शरद राव ने अपनी मांगों को लेकर मुख्यमंत्री को पत्र लिखा है. राव का कहना है कि, ''हमें सीएनजी ईंधन का अनिवार्य रूप से उपयोग करने के लिए कहा गया है, जो हमने किया

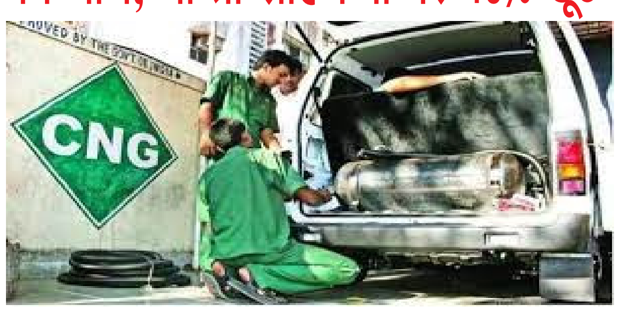

है और सभी ऑटो को सीएनजी में बदल दिया है.लेकिन सरकार ने निजी वाहनों को भी सीएनजी पर चलने की अनुमति दी है और प्रोत्साहित किया है, जिससे सीएनजी के यूजर्स में वृद्धि हुई है. भारी मांग को देखते हुए, सरकार को स्थानीय उत्पादन के अलावा गैस का आयात करने के लिए मजबूर होना पड़ा है, जिससे कीमतों में वृद्धि हुई है.''

सरकार किराया बढ़ाने की मंजूरी दे...

राव का कहना है कि, ''महानगर गैस लिमिटेड में महाराष्ट्र सरकार की 1 0 प्रतिशत हिस्सेदारी है. हमने महाराष्ट्र सरकार और एमजीएल को पत्र लिखा है कि सीएनजी का स्थानीय उत्पादन हमारे लिए सस्ती दर पर उपलब्ध होना चाहिए और एक सार्वजनिक ट्रांसपोर्टर होना चाहिए, इसे प्राथमिकता के आधार पर हमें दिया जाना चाहिए. एक बार यह हो जाने के बाद, हमारी श्रेणी के लिए सीएनजी की कीमतें अपने आप कम हो जाएंगी. हमें, पहले हितधारकों और सार्वजनिक परिवहन के रूप में, उत्पादन लागत पर सीएनजी की पेशकश की जानी चाहिए, '' राव ये भी कहते हैं कि ''यदि यह संभव नहीं है, तो सरकार को हमें अस्थायी किराया बढ़ाने की मंजूरी देनी चाहिए ताकि हम अपने खर्चे को बैलेंस कर सकें.''

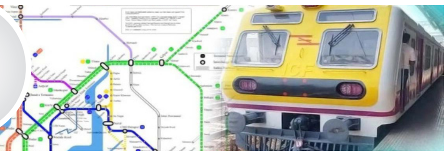

डिप्टी CM फडणवीस ने शरद पवार पर साधा निशाना, बोले- आज भले ही हम बिहार में नहीं, लेकिन...

महाराष्ट्र के कई इलाकों में भारी बारिश, विश्वविद्यालयों की परीक्षाएं स्थगित, इंदौर में बाढ़ के बाद कई कारें बहीं

महाराष्ट्र : महाराष्ट्र के कई हिस्सों में भारी बारिश के बाद जन-जीवन अस्त व्यस्त हो गया है। स्थिति ऐसी हो गई है कि राज्य के दो विश्वविद्यालों ने परीक्षाएं स्थगित कर दी या तो रद्द कर दी। वहीं, मुंबई से सटे मध्य प्रदेश के इंदौर शहर में निचले इलाकों में लगातार बारिश के कारण बाढ़ आ गई है। पानी के तेज बहाव में कुछ कारों के बह जाने की भी सूचना है। भारत मौसम विज्ञान विभाग (क्टऊ) ने मध्य प्रदेश, गुजरात महाराष्ट्र और छत्तीसगढ़ में गुरुवार के लिए अलग-अलग स्थानों पर भारी से बहुत भारी बारिश की अनुमान जताया है।

अधिकारियों ने कहा कि महाराष्ट्र की राजधानी मुंबई में मंगलवार से तेज हवाओं के साथ मध्यम बारिश हुई और अगले 24 घंटों में और बारिश होने की संभावना है। महाराष्ट्र के तटीय और पश्चिम पश्चिमी घाट क्षेत्रों में बारिश के बारे में पूछे जाने पर आईएमडी के महानिदेशक मृत्युंजय महापात्र ने कहा कि कम दबाव के क्षेत्र अरब सागर की तेज हवाओं के कारण क्षेत्र में भारी बारिश हुई है। हालांकि, उन्होंने कहा कि बुधवार से इन क्षेत्रों में बारिश कम हो जाएगी। पश्चिमी महाराष्ट्र के कोल्हापुर, सांगली और सतारा जिलों में भारी बारिश और उसके बाद बाढ़ की स्थिति के कारण बुधवार और गुरुवार को होने वाली कोल्हापुर विश्वविद्यालय की परीक्षाएं स्थगित कर दी गई हैं। कोल्हापुर जिला प्रशासन ने एक बयान में कहा कि परीक्षा के लिए नए टाइम टेबल की घोषणा बाद में की जाएगी। कोल्हापुर में पंचगंगा नदी का जलस्तर खतरे के निशान को पार कर गया है। जिला आपदा प्रबंधन प्रकोष्ठ के अधिकारियों ने बताया कि बुधवार सुबह 10 बजे, राजाराम वियर में पंचगंगा नदी का जलस्तर 40.2 फीट तक पहुंच गया, जबकि चेतावनी लेवल 39 फीट और खतरे का निशान 43 फीट है।

नागपुर विश्वविद्यालय ने भी परीक्षा रद्द की

वहीं, नागपुर विश्वविद्यालय ने विदर्भ क्षेत्र के जिले और आसपास के स्थानों में भारी बारिश को देखते हुए बुधवार को होने वाली अपनी सभी परीक्षाओं को रद्द कर दिया है। राष्ट्रसंत तुकड़ोजी महाराजा नागपुर विश्वविद्यालय के निदेशक, परीक्षा और मूल्यांकन बोर्ड, डॉ प्रफुल्ल सबले ने एक अधिसूचना में कहा कि अगली तारीख जल्द ही घोषित की जाएगी और उसकी सूचना छात्रों को भी दी जाएगी। वहीं, मध्य प्रदेश में इंदौर की मेयर पुष्यमित्र भार्गव ने बताया कि राज्य के पश्चिमी हिस्सों में तेज पानी के बहाव के कारण सिरपुर झील की ओर जाने वाली बाढ़ वाली सड़क पर कुछ कारें बह गईं, लेकिन अभी तक किसी के हताहत होने की खबर नहीं है। मंगलवार शाम से हो रही भारी बारिश से पैदा हुए हालात से चिंतित जिला प्रशासन ने बुधवार को स्कूलों में अवकाश घोषित कर दिया।

इंदौर के लिए अगले दो दिन अहम

मौसम विभाग के एक अधिकारी ने कहा कि इंदौर में बुधवार सुबह 8.30 बजे समाप्त 24 घंटे की अवधि में 108.9 मिमी बारिश दर्ज की गई।

लोकल ट्रेन में महिला से छेड़छाड़ कर रहा था युवक, पहले यात्रियों ने पीटा फिर पुलिस के कर दिया हवाले

मुंबई : मुंबई के कुर्ला जीआरपी ने हाल ही में अपने परिवार के साथ सेंट्रल रेलवे लोकल ट्रेन में यात्रा कर रही एक महिला यात्री से छेड़छाड़ करने के आरोप में 28 वर्षीय एक युवक को गिरफ्तार किया है. 31 वर्षीय शिकायतकर्ता एक एचआर कंसल्टेंट हैं. बताया जा रहा है कि आरोपी ने नशे की हालत में लोकल ट्रेन में महिला के साथ छेड़छाड़ की थी. पीड़ित महिला ने आरोपी को उसकी हरकत के लिए थप्पड़ भी जड़ दिया था वहीं बाद में अन्य यात्रियों ने भी आरोपी की पिटाई की.

महिला ने अपनी शिकायत में क्या कहा है?

महिला ने अपनी शिकायत मे कहा है कि वह 7 अगस्त को एक कार्यक्रम में शामिल होने के लिए अपने भाई, पति और उनकी बेटी के साथ दादर गई थीं. उसने कहा कि उसका परिवार परिवार दादर के प्लेटफॉर्म नंबर 1 से शाम 6.32 बजे कल्याण लोकल में सवार हुआ था. उस दिन सामान्य डिब्बे में भीड़ थी, महिला के पति और बेटी को एक सीट मिली, जबकि वह और उसका भाई उनके पास खड़े रहे.

आरोपी के खिलाफ छेड़छाड़ का मामला दर्ज

जब ट्रेन कांजुरमार्ग पर पहुंची तो एक सह-यात्री ने महिला को इशारा किया कि उसके पीछे खड़ा एक आदमी फ्लैशिंग कर रहा है. महिला ने शिकायत में ये भी कहा है कि आरोपी ने उसके कान में कुछ फुसफुसाया भी था और अश्लील इशारा भी किया था. इसके बाद उसने आरोपी ए अंसारी को थप्पड़ मार दिया, इसके बाग उसके पति, भाई और अन्य यात्रियों ने भी उसे पीटा. अंसारी भायखला निवासी है और जीवन यापन के लिए अजीबोगरीब काम करता है. घटना के बाद उसे ठाणे में ट्रेन से उतार दिया गया था. उसके खिलाफ आईपीसी के तहत छेड़छाड़ का मामला दर्ज किया गया है. वहीं मामले में ठाणे के जीआरपी के वरिष्ठ पुलिस निरीक्षक पी कांडे ने कहा कि आरोपी को गिरफ्तार कर लिया गया है. उसे नशे में उलजुलूल हरकतें करने की आदत है. मामला कुर्ला थाने को सौंप दिया गया है.

महाराष्ट्र विधानसभा मानसून सत्रः

हंगामेदार होगा पहला दिन, पहली बार विपक्ष में बैठेंगे आदित्य ठाकरे

मुंबई : महाराष्ट्र में एकनाथ शिंदे कैबिनेट का विस्तार हो गया है। हालांकि अभी तक मंत्रियों को उनके फोर्टफोलियो नहीं बांटे गुए हैं। महाराष्ट्र में 18 मंत्रियों ने शपथ ली है। इसमें से 9 शिंदे गुट के हैं तो 9 बीजेपी। इसी के साथ आज (बुधवार, 10 अगस्त 2022) से महाराष्ट्र विधानसभा के मानसून सत्र की शुरूआत हो रही है। इसके लिए तैयारियां पूरी कर ली गई हैं।

18 अगस्त तक चलेगा सत्र

महाराष्ट्र विधानसभा का मानसून सत्र 18 अगस्त तक आयोजित होगा। राज्य में सीएम बनने के बाद शिंदे पहले पहली बार सदन के किसी सत्र में हिस्सा ले रहे हैं। इससे पहले उन्होंने महाराष्ट्र विधानसभा में अपना बहुमत साबित किया था।

कर्मचारियों की छुट्टियां रद्द

महाराष्ट्र विधानसभा को देखते हुए विधासनभा के कर्मचारियों की छुट्टियों को कैंसिल कर दिया गया है। विधानमंडल सचिवालय ने मानसून सत्र से पहले ही तैयारियों के मद्देनजर छुट्टियों को कैंसिल कर दिया था। सचिवालय ने लेटर जारी करते हुए कहा था कि 9 से 18 अगस्त के बीच सभी कर्मचारियों की छुट्टियों को रद्द किया जाता है। इस दौरान सभी को ऑफिस आने के लिए कहा गया है।

घेरने की तैयारी में विपक्ष

सदन में एकनाथ शिंदे को घेरने के लिए विपक्ष तैयारी कर रहा है। विपक्ष कई मुद्दों पर विपक्ष को घेर सकता है। बता दें कि एकनाथ शिंदे के खिलाफ विपक्ष में आदित्य ठाकरे होंगे। आदित्य लगातार शिंदे सरकार पर हमला कर रहे हैं। आदित्य ठाकरे पहली बार विधानसभा में विपक्ष में बैठेंगे। बता दें कि उद्धव ठाकरे की सरकार में आदित्य मंत्री थे। एकनाथ शिंदे की बगावत के बाद उद्धव ठाकरे को इस्तीफा देना पड़ा था।

बहनों के बटुए में महंगाई की ये बड़ी सेंध... !

मुंबई : बाजारों में रंग-बिरंगी राखियों से दुकानें भी सज गई हैं, परंतु इस बार रेशम की डोर भी महंगाई की मार से रो रही है। पिछले साल जो राखी ५ रुपए में बिक रही थी, इस बार वो २० रुपए में बिक रही है। ऐसे में गरीब बहनों के बटुए में महंगाई की ये बड़ी सेंध है।

बता दें कि बदलते परिवेश और आधुनिकता की चकाचौंध के साथ ही राखियों का स्वरूप भी अब बदल गया है। बहनों द्वारा भाई की कलाई पर बांधी जानेवाली रेशम की डोर पर भी महंगाई हावी है। कभी बाजारों में बिकनेवाली स्पंज व सितारों से सजी-धजी रंग-बिरंगी राखियां आज गायब हो चुकी हैं। उनकी जगह सीप, मोतियों व लड़ियों से सजी छोटी-छोटी राखियों का क्रेज बढ़ गया है। भाई की कलाई पर सजनेवाली बड़ी-बड़ी राखियों की जगह रेशम की धागेनुमा निर्मित पतली व छोटी-छोटी राखियां बिकने लगी हैं। जिस तरह राखियों की खूबसूरती बढ़ी, उसी तरह कीमतों में भी उछाल आया है। साधारण रेशम के धागे से बनी राखी जहां २० रुपए से शुरू है, वहीं १०० से ५०० रुपए तक शीशे जड़ी राखियां बिक रही हैं। बच्चों की कलाई व लड़कियों के लिए भी पैंष्ठसी राखी की खूब बिक्री हो रही है। शहर और गांव के बाजारों में बहनें राखी की खरीददारी जोरों से कर रही हैं।

मालिक, मुद्रक, प्रकाशक, संपादक फैजल शेख ने सोमानी प्रिंटिंग प्रेस, गाला नंबर 3-4, अमीन इंडस्ट्रियल इस्टेट, सोनावाला क्रॉस रोड नंबर 12, गोरेगांव (पूर्व), मुंबई - 63 से छपवाकर रूम नंबर 15 रमजान बिन 17- सी, वंजावडी, माहिम (वेस्ट), मुंबई - 400016 से प्रकाशित किया . संपर्क कार्यालय 1 ए, ग्राउंड फ्लोर, साहिल मेन्शन, बालमिया लेन, माहिम (वेस्ट), मुंबई - 400016.
मोबाइल नंबर 9987775650 व्हाट्सएप नंबर 9987775650 ईमेल- editor@rokthoklekhaninews.com -किसी भी विवाद की स्थिति में न्याय क्षेत्र मुंबई होगा!